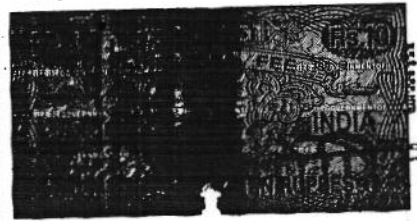
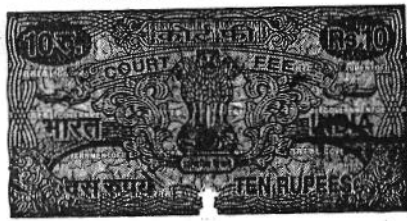


(43)



न्यायालय राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर

म० क० एक/निगरानी/पन्ना/भू-रा/2017/

श्री. निगरानी/पन्ना/28.05/2017/4420 अशोक कुमार पिता द्वारका प्रसाद अग्रवाल
निवासी-रैपुरा, तहसील रैपुरा, जिला पन्ना

म०प्र०

---- आवेदक

श्री. मती रजनी देवि
द्वारा आज दि. 24/11/17 को
प्रस्तुत

विरुद्ध

बिहारी पिता बुधुवा रैकवार
निवासी-रैपुरा, तहसील रैपुरा, जिला पन्ना
म०प्र०

---- अनावेदक

14-11-17
दलक ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

यह निगरानी आवेदन म०प्र० भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50
के अन्तर्गत तहसीलदार रैपुरा तहसील रैपुरा जिला पन्ना के प्रकरण
क्रमांक 15/अ-12/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 28.05.17
के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है।

महोदय,

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य :-

1- यह कि, अनावेदक द्वारा तहसीलदार रैपुरा, तहसील रैपुरा के
न्यायालय में आराजी नम्बर 3963 एवं 3964 का सीमांकन कराये
जाने बावत् म०प्र० भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 129 के
अंतर्गत सीमांकन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया।

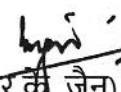
2- यह कि अनावेदक के उक्त आवेदन पर से श्रीमान् अधीक्षक
महोदय पन्ना के पत्र क्रमांक 1297/भू-अभि./2017 पन्ना दिनांक
25.05.17 के पालन में दिनांक 23.05.17 को गठित दल द्वारा
दिनांक 24.05.17 को आराजी नम्बर 3963 एवं 3964 का
सीमांकन कार्य किया गया। सीमांकन के समय आराजी नम्बर
3964 में दक्षिणी सीमा में 10 फुट व उत्तरी सीमा में 8 फुट में

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक एक/निगरानी/पन्ना/भू.रा./2017/4420

अशोक विरूद्ध बिहारी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21-12-2018	<ol style="list-style-type: none"> 1. प्रकरण प्रस्तुत । 2. आवेदक की ओर से अभिभाषक श्रीमती रजनी वशिष्ठ शर्मा उपस्थित । 3. प्रस्तुत निगरानी तहसीलदार रैपुरा जिला पन्ना के सीमांकन आदेश दिनांक 28-05-2017 के विरूद्ध प्रस्तुत की गई थी । 4. म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 में किये गये संशोधनवर्ष 2018 के अनुसार सीमांकन आदेश के विरूद्ध आपत्ति सुनवाई के अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को दिये गये है । 5. अतः प्रकरण सक्षम न्यायालय में सुनवाई हेतु अनुविभागीय अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाता है । उभय पक्ष दिनांक 24-01-2019 को अनुविभागीय अधिकारी के यहां उपस्थित हो । अधीनस्थ न्यायालय को अभिलेख भेजा जाये । 	<p style="text-align: center;">  (आर.के. जैन) सदस्य </p> <p style="text-align: right;">21.12.18</p>

3